AIRF Collection - NCCRS/1/74 (Part-II)

'Mid 1974 Protest Call Leaflets and a News Report'

Authors: Northern Railway Worker Union, Northern Railwaymen's Union, Railway Sangharsh Samanvay Samiti, NCCRS, ERMU

[Archives of Indian Labour / AILH – VV Giri NLI]

इन्कलाब जिन्दाबाद

सिरसा चलो

अन्धेरों के मुकाबले आफताब आया ही करता है।
जहां इन्सान बेचैन हों इन्कलाब आया ही करता है॥

मजदूर एकता जिन्दाबाद

सिरसा चलो

★ रेलवे मजदूर संघर्ष समन्वय समिति सिरसा ★

वेतन जाम अध्यादेश विरोध सप्ताह

सिरसा में १२ अगस्त १९७४ को

भारी जलसा

साथियो,

जैसा कि आप को विदित ही है कि सरकार ने वेतन - महंगाई भत्ता जाम अध्यादेश लगा कर देश भर के मजदूरों के साथ कठोर अन्याय किया है। आज कितनी महंगाई है। हर चीजों के भाव आसमान को छू रहे हैं और इस महंगाई से मजदूर की हालत बद से बदतर होती जा रही है। लेकिन सरकार मजदूरों को कुचलने के लिए आमादा है। इसी अध्यादेश के विरोध में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक विरोध सप्ताह मनाया जा रहा है जिस के उपलक्ष में सिरसा में 12 अगस्त को आर्य समाज मन्दिर के पास यूनियन ग्राउन्ड में सांय 6 बजे एक आम सभा हो रही हैं जिस में N C C R बीकानेर के पदाधिकारी जैसे **महावीर प्रसाद अस्थाना, हरि कुमार** आर्टिजन स्टाफ एसोसियेशन के **श्री ए. के. दत्ता** आदि अन्य साथी पधार रहे हैं।

सभी रेल कर्मचारियों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधार कर सभा की शोभा बढ़ायें। इस सभा में **कामरेड जार्ज फर्नाडीस** को स्पीच टेप रिकोर्ड के द्वारा सुनाई जायेगी, जिस में उन्होंने देश में हड़ताल की स्थिति व्यक्त की है। यह स्पीच बहुत ही सुनने योग्य है। अतः आप यह अवसर न चूकें।

हमें आशा है कि आप अपना अति समय निकाल कर इस सभा में अवश्य पधारेंगे।

★ संगठन ही शक्ति है। ★

आप के साथी :—

ओ. पी. बिश्नोई
कनवीनर

रोशन लाल मलिक
सहायक कनवीनर

किशनसिंह नगड़ा रामजीलाल
आर्टिजन स्टाफ एसोसियेशन

चौ० दयाचन्द हरिप्रकाश शर्मा
नारदर्न रेलवे मेन्स यूनियन

शकरलाल भूपसिंह
नारदर्न रेलवे वर्कर यूनियन

रामेश्वर दास गौड़ पीर मुहम्मद
इलैक्ट्रिक स्टाफ एसोसियेशन

सरूपचन्द धर्मपाल
उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन

रामलाल गांधी
कामर्शियल स्टाफ एसोसियेशन

उमाराम वजीरसिंह
रनिंग स्टाफ एसोसियेशन

महावीर प्रसाद देवासिंह
मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसियेशन

★ कमल प्रेस, सिरसा ★

रेल संघर्ष समन्वय समिति (सिरसा)

'दमन विरोध सप्ताह

दिनांक 22-7-74 से 28-7-74

— मुख्य मांग —

१ सब गिरफ्तार रेल कर्मचारियों को रिहा करो।

२ बर्खास्त रेल कर्मचारियों को बहाल करो।

३ नौकरी में व्यवधान समाप्त करें।

४ समन्वय समिति से वार्ता प्रारम्भ करो।

५ कर्मचारियों का दमन बन्द करो।

६ महंगाई राक सम्बन्धी अध्यादेश रद्द करो।

७ हड़ताल के समय का पूरा वेतन दो।

इन्कलाब जिन्दाबाद　　　　　　　　　　　　　　　　　　मजदूर एकता जिन्दाबाद

रेल संघर्ष समन्वय समिति

सिरसा

गरीबों के झोंपड़ों में आंसुओं के चिराग जलते हैं ।
मगर इन चिरागों की लौ में ही इंकलाब पलते हैं ।

★ भारत सरकार व रेल प्रशासन के दमन चक्र के खिलाफ ★

दिनांक २२ जुलाई से २८ जुलाई ७४ तक

दमन विरोध सप्ताह

साथियो,

गत मई ७४ की अनिश्चित कालीन शांतिपूर्ण रेल हड़ताल को भारत सरकार व रेल प्रशासन ने राजनिति से प्रेरित बताकर जनता को गुमराह किया व अपनी रोटी व रोजी की मांग कर रहे शांतिप्रिय रेल कर्मचारियों पर देशद्रोह का अपराध लगाते हुए उनको तरह २ से तंग किया । उनके क्वाटरों की बिजली काट दी गई लगभग ३० हजार कर्मचारियों का क्वाटरों मे पुलिस ने सामान बाहर फैंक दिया । अनेको रेल कर्मचारियों की महिलाओं व बच्चों को यातनाऐ दी गई । ५० हजार से अधिक कर्मचारियों को जेलों में ठूंस दिया गया । इस हड़ताल को दबाने के लिए सरकार व रेल प्रशासन ने फौज व रिजर्व पुलिस, टेरीटोरियल आरमी तथा बार्डर सेक्युरिटी फोर्स का भी इस्तेमाल किया । इस भारी व आतंक दमन के बावजूद लगभग १५ लाख कर्मचारीयों ने इस ऐतहासिक हड़ताल में भाग लिया ।

हड़ताल के वापिस लेने के बाद रेल प्रशासन ने राष्ट्रपति व प्रधानमन्त्री के आश्वासन के बावजूद रेल कर्मचारियों का बर्बरता पूर्वक दमन चालु रखा है । हजारों कर्मचारी अभी भी जेलो में बन्द हैं । लगभग ५० हजार से अधिक कैजुअल लेबर व सब्सटेट्यूट नौकरी से अलग कर दिऐ गए गऐ । बीस हजार से अधिक कर्मचारीयों पर डी० आइ० आर० के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है लगभग ३० हजार से अधिक स्थायी रेल कर्मचारियों नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है । लगभग दस लाख रेल कर्मचारियों का नौकरी में व्यवधान कर दिया गया है ।

सरकार ने जानबूझकर समझौता वार्ता तोड़कर रेल कर्मचारियों को ८ मई से हड़ताल पर जाने को बाध्य किया था और अब अपने आश्वासन विपरीत मांगो पर बातचीत में अड़ियल रुख अपनाऐ हुऐ हैं ।

हम सरकार व रेल प्रशासन को स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि जब तक मजदूरों में असंतोष रहेगा व दमन चक्र जारी रहेगा रेल विभाग का कार्य सामान्य नहीं हो सकेगा, औद्योगिक शांति के लिए मजदूरों व रेल प्रशासन में मधुर संबंध होना अनिवार्य है ।

अतएव साथियो, दमन चक्र का विरोध करने के लिए व अपनी न्यायोचित मांगों को प्राप्त करने के लिए दमन विरोध सप्ताह दिनांक **22-7-74** से **28-7-74** तक सारे भारत में मनाया जाएगा । ~~सिरसा~~ सिरसा में भी सभी साथी अपनी एकता का परिचय देते हुए मीटिंगों, जलूसों व प्रदर्शनों में भाग लेवें व बिल्ले भी लगायें । ध्यान रहे जो रेल कर्मचारी देश पर पाकिस्तान व चीन के आक्रमण में अपनी जान हथेली पर धरकर उनका मुकाबला कर सकता है तो मजदूर वर्ग पर हमला होने पर भी अपना बचाव कर सकता है ।

रेल संघर्ष समन्वय समिति जिन्दाबाद !
मजदूरों की फौलादी एकता जिन्दाबाद !
रेल मजदूरों का दमन बन्द करो ।
महंगाई रोक सम्बन्धी अध्यादेश रद्द करो ।

दिनांक २८-७-७४ को सुबह ९ बजे से सांय ६ बजे तक रेलवे स्टेशन के पीछे गोल पार्क में धरना दिया जायेगा रेलवे आर्य समाज मन्दिर के साथ सांय ७बजे से आम सभा होगी जिसमें ज्यादा से ज्यादा तादाद में पहुंच कर जलसे की शोभा बढ़ायें

दयाचन्द्र
हरीप्रकाश शर्म्मा
नार्दन रेलवे मैन्सयूनियन
किशनसिंह
रामजी लाल
(आर्टिजन स्टाफ एसोशीयेसन)

ओ०पी० बिशनोई
(संयोजक)
रोशनलाल मलिक (सह संयोजक)
देवीसिंह
महावीर सूद
(मनिस्ट्रियल स्टाफ एसोशीयेसन)
रामेश्वर दास गोड़, पीर मोहम्मद
(एलवीक ब्रफ एसोशियेसन)

शंकरलाल
भूपसिंह
नार्दन रेलवे वर्कर युनियन
उमाराम
रणजीतसिंह
शंटिंग एन्ड केबिन मैन एसोशीयेसन

Kamal Press, SIRSA

ৰেলকৰ্মীসকলৰ সংগ্ৰামৰ জাতীয় সমন্বয় সমিতি, ডিব্ৰুগড়। (N.C.C.R.S.)

"প্ৰতিবাদ সপ্তাহ পালন কৰক"
২২ জুলাইৰ পৰা ২৮ জুলাই, ১৯৭৪

আমাৰ দাবী সমূহ

১। কৰ্মচ্যুত ৰেলকৰ্মচাৰী সকলক এতিয়াই কামত যোগদান কৰিব দিয়ক।

২। চাকুৰীচ্ছেদ, এতিয়াই প্ৰত্যাহাৰ কৰক।

৩। যাবতীয় দমনপীড়ণ অনতিপলমে বন্ধ কৰক।

৪। ৰৰখাস্ত কৰা কৰ্মীসকলৰ বিষয়ে কোন সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে ই, চি, চি; বিৰ নিৰ্বাচন স্থগিত ৰাখক।

৫। ৬ দফা দাবী সমূহলৈ জাতীয় সমন্বয় সমিতিৰ লগত এতিয়াই আলোচনা আৰম্ভ কৰক।

৬। ধৰ্মঘট আমাৰ সাংবিধানিক অধিকাৰ।

৭। আমি ধৰ্মঘট নিবিচাৰো। আমি বিচাৰো আমাৰ দাবীসমূহ পূৰণ হওক।

ইউনাইটেড কমিটি অব্ ৰেলৱেমেন, সদৌ ভাৰত লোকোৰানিং ষ্টাফ এছোচিয়েছন, ওৱাৰ্কচপ কাউন্সিল ইঞ্জিনিয়াৰিং ষ্টাফ এচোচিয়েছন, সদৌ ভাৰত মিনিষ্টিয়েল ষ্টাফ এচোচিয়েছন, ইয়ার্ড আৰু কেবিন ষ্টাফ এচোচিয়েছন, কোচ এটেণ্ডেন্ছ এচোচিয়েছন। (জাতীয় সমন্বয় সমিতিৰ অন্তৰ্ভুক্ত সংগঠন সমূহ)

অবিলম্বে সমস্ত শাস্তিমূলক ব্যবস্থার প্রত্যাহার চাই

পৃথিবীর ইতিহাসে রেকর্ড সৃষ্টিকারী সুদীর্ঘ ২০ দিনের রেল ধর্মঘট ২০ লক্ষ রেল শ্রমিকের মধ্যে প্রায় ১৮ লক্ষের মত ধর্মঘটে অংশ গ্রহণের মাধ্যমে বিরাট আত্মশক্তিতে আজ প্রতিষ্ঠিত। এই বিরাট শক্তিকে উপেক্ষা করা তো দূরে থাকুক যথেষ্ট সম্ভ্রম দেখিয়েই সরকারকে তার ভবিষ্যৎ আচরণ স্থির করতে হতে হবে।

ধর্মঘটকালীন সময়ে প্রতিটি দিনের প্রতিটি মুহূর্তে সমগ্র রেলশ্রমিক কর্মচারী ও তাদের পরিবার-পরিজন যে বীরত্বপূর্ণ সংগ্রাম চালিয়েছেন তার অসংখ্য প্রকাশিত ও অলিখিত কাহিনী ভবিষ্যৎ ট্রেড ইউনিয়ন আন্দোলনের সংগঠকদের কাছে বহুযুগ ধরে প্রেরণা যোগাবে।

সদর দপ্তরের কর্মীদের কাছে ধর্মঘট প্রত্যাহারের সংবাদ নিশ্চয়ই অপ্রত্যাশিত। কারণ আমরা যখন নিশ্চিত জয়ের কাছাকাছি বলে অনুভব করছিলাম, যখন আমাদের অক্ষুণ্ণ মনোবল নিয়ে শেষ পর্য্যন্ত লড়াই চালিয়ে যেতে বদ্ধপরিকর ঠিক সেই সময়ে ধর্মঘট প্রত্যাহৃত হল। এসম্পর্কে রাষ্ট্রীয় সংগ্রাম সমন্বয় সমিতির আহ্বায়ক জর্জ ফার্ণাণ্ডেজ বলেছেন, মতভেদ দেখাদিয়েছিল বলেই ধর্মঘট প্রত্যাহারের সিদ্ধান্ত নিতে হয়। সংবাদপত্রে প্রকাশ্যে এলাকাগত ভাবে বা গোষ্ঠিগত ভাবে ধর্মঘট প্রত্যাহারের সিদ্ধান্ত গ্রহণের পরামর্শ দানের ঘটনাও এই প্রসঙ্গে জর্জফার্ণাণ্ডেজ উল্লেখ করেছেন।

যাই হোক, ধর্মঘট প্রত্যাহৃত হ'য়েছে, বর্ত্তমানে আমাদের আশু সমস্যাগুলির দিকে অবিলম্বে দৃষ্টি দেওয়া দরকার যেগুলি হচ্ছে—

১। NCCRS এর ঐক্য সর্বপ্রকারে রক্ষা করতে হবে। ঐক্য ভাঙ্গন ধরানোর সর্ব রকম প্রচেষ্টাকে অঙ্কুরেই শেষ করতে হবে।

২। প্রতিটি কর্মচারীকে সুশৃংখল সৈনিকের মত দৃঢ় মনোবলে অটুট থেকে NCCRS এর সিদ্ধান্ত এবং প্রতিটি কর্মসূচীকে সফল করার কাজ পূর্ণোদ্যমে করে যেতে হ'বে।

৩। সরকারী প্রতিশোধমূলক ব্যবস্থায় সদর দপ্তরে দেড় শতাধিক সহকর্মী বিভিন্নভাবে শাস্তি প্রাপ্তদের তালিকায় রয়েছেন। এর মধ্যে বরখাস্তের সংখ্যাই সর্ব্বাধিক। সার্ভিস কমিশনে ১৩ জনকে বদলী করা হ'য়েছে, এম টি পিতেও বদলীর চক্রান্ত চলছে। কোন কোন অফিসার এছাড়াও তাদের দফতরে সন্ত্রাসের আবহাওয়া সৃষ্টি করছে। সমস্ত রকম শাস্তি প্রত্যাহৃত না হওয়া পর্য্যন্ত আমাদের সর্ব্বতোভাবে আন্দোলন চালিয়ে যেতে হবে। এরজন্য প্রয়োজন সুদৃঢ় মনোবল। সংগ্রামের দিনগুলিতে একবার আমরা সে অগ্নি পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হয়েছি—আগামী দিনের সংগ্রামে আরও অনেক বেশী দৃঢ়তায় আমাদের সংঘবদ্ধ থাকতে হবে।

সরকার যদি বাস্তব অবস্থার থেকে শিক্ষা গ্রহণ না করে সমস্ত রকম শাস্তিমূলক ব্যবস্থা প্রত্যাহারে গড়িমসীর পথ ধরে আমাদের আবার লড়াইয়ের পথে ঠেলে দেন তবে সে চ্যালেঞ্জও আমাদের অবশ্যই গ্রহণ করতে হবে। তার জন্য ঘরে ঘরে প্রস্তুতি গড়ে তুলুন। প্রতিটি সহকর্মীর সংগে সহৃদয় ব্যবহারে ব্যাপক ঐক্যের ভিত্তিকে প্রসারিত করুন।

৬ দফা দাবীর সুমীমাংসার আন্দোলনও এই একই পথে শক্তিশালী হবে।

বিশেষ দ্রষ্টব্য ঃ

- ☐ ইউনিয়নের সংগে পরামর্শ না করে কোন ব্যক্তিগত সিদ্ধান্ত নেবেন না। তা আত্মঘাতী হ'তে পারে।
- ☐ সরকার প্রচারিত কোনরূপ প্রলোভনে পড়ে কোন bond বা mercy appeal করবেন না। এ কাজ সামগ্রিক ভাবে আপনার বন্ধুদের বিরুদ্ধে কাজে লাগানো হতে পারে।

... শিকার হবেন না। যে কোন রকম জটিলতা বা সমস্যায় ইউনিয়ন প্রতিনিধির সংগে দেখা

পূর্ব রেলের সংগ্রামী রেলকর্মী বন্ধুগণের প্রতি

২০ লক্ষ রেলশ্রমিকের ন্যায্য দাবীগুলি আলাপ আলোচনার মাধ্যমে মীমাংসা না করে হঠাৎ আলোচনা চলার সময়ে সমস্ত স্বাভাবিক রীতি নীতি পরিত্যাগ করে সারা ভারতব্যাপী কমরেড জর্জ ফার্ণাণ্ডেজ সহ বিভিন্ন রেলকর্মী নেতৃবৃন্দকে আটক করে সরকার রেলকর্মীদের উপর ধর্মঘট চাপিয়ে দেয়। সরকারের এই আচরণে রেলকর্মীরা গর্জে ওঠেন এবং স্বতঃস্ফূর্ত ভাবে ২রা মে বিভিন্ন স্থানে গাড়ী চলাচল ও কাজকর্ম অচল হয়ে যায়। N.C.C.R.S. এর আহ্বানে রেলশ্রমিকরা সমস্ত হুমকি, জুলুম, অত্যাচার, নিপীড়ন, মিলিটারী-পুলিস-আঞ্চলিক বাহিনীর হুঙ্কার ও গুণ্ডাদের তাণ্ডব নৃত্যকে উপেক্ষা করে ৮ই মে সকাল ৬টা থেকে ধর্মঘট সুরু করে এবং দীর্ঘ ২০দিন দৃঢ় মনোবল নিয়ে ধর্মঘট চালিয়ে যায়। ধর্মঘট চলা-কালীন একদিকে মিথ্যা প্রচার ও অন্যদিকে রেল কলোনীতে মা-বোন-পরিবারবর্গের উপর অত্যাচার চালিয়ে ধর্মঘট ভাঙার সমস্ত ব্যবস্থাকে সংগ্রামী বন্ধুরা বানচাল করে দিয়েছিল। আমাদের ধর্মঘট বিশ্বের রেলকর্মী সংগ্রামের দীর্ঘতম হিসাবেই শুধু গণ্য নয় পরন্তু ট্রেড ইউনিয়ন আন্দোলনে এক গৌরবময় ইতিহাস রচনা করেছে। এই ধর্মঘটে অংশ গ্রহণকারী প্রতিটি বাহাদুর রেলকর্মীকে ও রেলকর্মী পরিবারদের তথা জন সাধারণের অকুণ্ঠ সমর্থনের জন্য জানাই আমাদের আন্তরিক সংগ্রামী অভিনন্দন।

N.C.C.R.S. হঠাৎ কেন ধর্মঘট প্রত্যাহার করে নিল সে সম্বন্ধে এককথায় বলা যায় যে নেতৃত্বের মধ্যে মতভেদ দেখা দিয়েছিল ও আমাদের ঐক্যে ভাঙনের সম্ভাবনা প্রকট হয়ে উঠেছিল। ধর্মঘটের পরবর্ত্তী অবস্থাকে মোকাবিলা করার জন্য আমাদের ঐক্যকে দৃঢ় রাখতে হবে। ছাঁটাই কর্মীদের পূর্ণবহাল, সমস্ত শাস্তিমূলক ব্যবস্থার প্রত্যাহার, আটক বন্দীদের বিনাসর্ত্তে মুক্তি, মিথ্যা মামলায় জড়িত রেলকর্মীদের মুক্ত করা ও দাবী দাওয়া আদায়ের জন্য ঐক্যবদ্ধভাবে আমাদের আন্দোলন সঠিকভাবে চালিয়ে নিয়ে যেতে হবে এবং শেষ সংগ্রামী বন্ধুকে পূর্ব্বাবস্থায় পুনঃ স্থাপন না করা পর্যন্ত আমাদের বিশ্রাম নেই।

ঐতিহাসিক রেলধর্মঘটকে ম্লান করার জন্য নানা রকমের গুজব ছড়ান হচ্ছে তাতে কান দেবেন না। বিভিন্ন ধরণের লোভ যথা ক্ষমা ভিক্ষা করে আপীল করা, ধর্মঘটে অংশ গ্রহণের দিনগুলির জন্য অসুস্থতা দেখিয়ে সার্টিফিকেট দেওয়া বা অন্য কারণ দেখিয়ে কাজে যোগদান করতে না পারা ইত্যাদির মধ্য দিয়ে ধর্মঘটী কর্মীর সংখ্যা হ্রাসের প্রচেষ্টা চলছে। যে ইতিহাস আমরা রচনা করেছি তাকে ছোট করা ও গর্বের সংগ্রামকে ম্লান করার এটা অপকৌশল হিসাবে গণ্য করতে হবে। আপনার কর্ত্তব্যের পথনির্দেশ হিসাবে নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি কার্যকরী করবেন।

পূর্ব রেলে ধর্মঘটের দরুন ২৬০০ স্থায়ী ও অস্থায়ী কর্মী ও প্রায় ৫০০০ ক্যাজুয়াল, সাবস্টিটিউট রেলকর্মীকে বরখাস্ত করা হয়েছে এবং ১১৫০ জনকে আটক ও বিভিন্ন কেসে জড়ান হয়েছে। ইষ্টার্ণ রেলওয়ে মেন্স ইউনিয়নের পক্ষ থেকে ইতিমধ্যেই সমস্ত আটক বন্দীদের মুক্তি, D.I.R. MISA ও অন্যান্য কেস তুলে নেবার জন্য পশ্চিম বাংলা, বিহার ও উত্তর প্রদেশের মুখ্য-মন্ত্রীদের সঙ্গে যোগাযোগ করা হয়েছে। পূর্ব রেলের General Manager, Div. Superintendent, Workshop Supdt. ও অন্যান্য রেল কর্তৃপক্ষের সঙ্গেও যোগাযোগ করা হচ্ছে এবং স্বাভাবিক অবস্থা ফিরিয়ে আনতে হলে অবিলম্বে বরখাস্ত কর্মীদের পূর্ণবহাল,

সমস্ত শাস্তিমূলক ব্যবস্থার প্রত্যাহার, আটক বন্দীদের মুক্তি ও সমস্ত কেস তুলে নেবার জন্য চাপ সৃষ্টি করা হয়েছে। General Manager এর কাছ থেকে যথাশীঘ্র সম্ভব ব্যবস্থা গ্রহণের আশ্বাস পাওয়া গেছে। খবরে জানা যায় যে আশ্বাস অনুযায়ী বিভিন্নস্তরে কাজ শুরু হয়েছে এবং কয়েকদিনের মধ্যেই ফলাফল পরিলক্ষিত হবে।

কিছু সংখ্যক রেলকর্মী ভুল বশতঃ ও ভীতগ্রস্ত হয়ে ঐতিহাসিক ধর্মঘটে যোগদান করেনি। তাদেরকে সামনে রেখে বিভিন্ন স্থানে গোলমাল সৃষ্টি করার অপচেষ্টা চলছে সেদিকে সজাগ দৃষ্টি রাখতে হবে এবং শান্তিপূর্ণভাবে সমস্ত সমস্যার মোকাবিলা করে আমাদের ঐক্যবদ্ধ শক্তিকে ভবিষ্যৎ আন্দোলনের জন্য আরও সুদৃঢ় করতে হবে।

নির্দেশাবলী

১। বরখাস্ত কর্মীরা কোন দরখাস্ত বা আপীল ক্ষমা ভিক্ষা করে করবেন না।

২। অস্থায়ী, ক্যাজুয়াল বা অন্য কর্মীদের নোটিশের পরিবর্তে ১৪ দিনের মাহিনা নিয়ে ছাঁটাই করতে চাইলে চিঠি বা টাকা গ্রহণ করবেন না।

৩। ধর্মঘটে অংশ গ্রহণকারী কোনো রেলকর্মী দরখাস্ত, সিক্ সার্টিফিকেট বা অন্য কারণ দেখিয়ে নিজেকে ধর্মঘট বিরোধী হিসাবে গণ্য হবার চেষ্টা করবেন না।

৪। বরখাস্ত কর্মীর যদি ফাইন্যাল সেটেলমেণ্ট কোথাও হয় তাহলে কোনমতেই দস্তখত বা সেটেলমেণ্টের টাকা গ্রহণ করবেন না।

৫। বরখাস্ত কর্মীকে রেল কোয়ার্টার থেকে উচ্ছেদ করার চেষ্টা করলে তার বিরুদ্ধে প্রতিবাদ করবেন ও সম্ভাব্য প্রতিরোধ গড়ে তুলবেন। অবিলম্বে ERMUর সঙ্গে যোগাযোগ করবেন যাতে যথাযোগ্য ব্যবস্থা গ্রহণ করা যায়।

৬। এককভাবে কোন সিদ্ধান্ত নেবেন না। ইউনিয়নের শাখার সঙ্গে যোগাযোগ করবেন।

৭। বরখাস্ত কর্মীরা এখনই আদালতের শরণাপন্ন হবেন না। যথাসময়ে আপনাকে এ বিষয়ে জানানো হবে।

৮। বিভিন্ন আদালতে সংগ্রামী বন্ধুদের যে সব কেস বিচারাধীন আছে তাকে অত্যন্ত যত্ন সহকারে পরিচালিত করতে হবে যাতে কেউই অপরাধী হিসাবে দণ্ডিত না হয়।

৯। বরখাস্ত ও বিচারাধীন কর্মীদের জন্য অবিলম্বে রেলকর্মী ও আঞ্চলিক সহানুভূতিশীল জনসাধারণের কাছ থেকে যথাসাধ্য সাহায্য গ্রহণ করে ইউনিয়নের সংগ্রামী তহবিলকে (Struggle Fund) পর্যাপ্ত করে তুলুন।

ইনকিলাব—জিন্দাবাদ N.C.C.R.S—জিন্দাবাদ A.I.R.F./E.R.M.U.—জিন্দাবাদ

ইষ্টার্ণ রেলওয়ে মেন্স ইউনিয়ন

তাং ৪ঠা জুন ১৯৭৪
২৩।২৪, ষ্ট্রাণ্ড রোড, কলিকাতা-১

पूर्व रेल के संग्रामी रेलकर्मी बन्धुओं के लिये

२० लाख रेल श्रमिकों की उचित माँगों पर आलोचना के जरिये समझौता न कर अचानक आलोचनाक्रम के समय स्वाभाविक तरीकों को अपनाने के बजाय कमरेड जार्ज फर्नांडेज सहित अनेक रेलकर्मी नेताओं को बन्दी कर सरकार ने रेल कर्मियों पर हड़ताल थोप दी। सरकार के इस आचरण से रेलकर्मी गर्जन कर उठे और २ मई को विभिन्न स्थानों में गाड़ियों का आवागमन एवं अन्य कार्य स्वतः ही ठप हो गया। N.C.C.R.S के आह्वान पर रेलकर्मियों ने समस्त धमकी, जुल्म, अत्याचार, यातनायें, मिलिटरी-पुलिस-आंचलिक वाहिनी के हुङ्कार एवं गुण्डों के ताण्डव की उपेक्षा कर ८ मई को प्रातः ६ बजे हड़ताल शुरु किया और दृढ़ मनोबल के साथ २० दिनों तक चलाते रहे। हड़ताल के समय एक ओर झूठे प्रचार एवं दूसरी ओर कोलनी में माँ-बहन-परिवारवर्ग के ऊपर अत्याचार कर हड़ताल तोड़ने की जो कोशिश हुई थी उसे संग्रामी बन्धुओं ने असफल कर दिया था। संसार भर में अबतक हुये रेल हड़ताल में दीर्घतम हड़ताल के रूप में हमारी हड़ताल गण्य ही नहीं हुई बल्कि ट्रेड यूनियन आन्दोलन में भी इसने एक गौरवमय इतिहास की रचना की है। इस हड़ताल में भाग लेने वाले सभी बहादुर रेलकर्मियों एवं रेलकर्मी परिवार को तथा जनसाधारण को उनके पूर्ण समर्थन के लिये हम अपना संग्रामी अभिनन्दन ज्ञापन करते हैं।

N.C.C.R.S. द्वारा अचानक हड़ताल वापस लेने के सम्बन्ध में एक ही बात कही जा सकती है कि नेतृवृन्द के बीच मतभेद आ पड़ा था और हमारी एकता में टूट आने की सम्भावना दिखाई पड़ी थी। हड़ताल के बाद की अवस्था का सामना करने के लिये अपनी एकता को मजबूत रखना होगा। बरखास्त किये गये कर्मियों का पुनर्बहाली, सभी दण्डमूलक व्यवस्था की वापसी, बन्दी किये गये लोगों की बिना शर्त मुक्ति, झूठे मामलों में फँसे हुये रेल कर्मियों की मुक्ति एवं माँगों को आदाय करने के लिये एकबद्ध होकर हमें आन्दोलन को ठीक रूप से आगे बढ़ाना होगा तथा अन्तिम संग्रामी बन्धु को पूर्वावस्था में पुनः संस्थापन न करने तक हम विश्राम नहीं लेंगे।

ऐतिहासिक रेल हड़ताल को मलीन करने के लिये तरह तरह के अफवाह फैलाये जा रहे हैं उससे बचिये। विभिन्न प्रकार के लोभ जैसे क्षमा मांगते हुये अपील करना, हड़ताल के दिनों के लिये मेडिकल सर्टिफिकेट देना एवं काम में योगदान न देने के लिये अन्य कारण दिखलाना आदि के जरिये हड़तालो कर्मियों की संख्या को कम करने की प्रचेष्टा चल रही है। जिस इतिहास की रचना हुई है उसे लघु करने एवं गौरवमय संग्राम को मलीन करने की इस प्रचेष्टा को अधिकारियों की चतुराई के रूप में समझना होगा। अस्तु, निम्नलिखित निर्देशों का कर्तव्य समझ कर पालन करें।

पूर्व रेल में इस हड़ताल के कारण २६०० स्थायी एवं अस्थायी तथा प्रायः ५००० कैजुअल व सब्सटीच्यूट रेलकर्मी को बरखास्त किया गया है तथा ११५० लोगों को बन्द या विभिन्न केशों में फँसाया गया है।

ईष्टर्न रेलवेमेन्स यूनियन की ओर से इसी बीच सभी बन्दियों की मुक्ति ; D.I.R. ;

MISA व अन्यान्य मामलों को उठा लेने के लिये प० बंगाल, बिहार तथा उत्तर प्रदेश के मुख्य मन्त्रियों के साथ योगायोग स्थापित किया गया है। पूर्व रेल के जेनरल मैनेजर, डिभिजनल सुपरिन्टेन्डेन्ट, वर्कशाप सुपरिन्टेन्डेन्ट व अन्य रेल अधिकारियों के साथ भी योगायोग किया गया है। स्वाभाविक अवस्था वापस लाने के लिये अविलम्ब बरखास्त कर्मियों की पुनर्बहाली, सभी दण्डमूलक व्यवस्था की वापसी, बन्दियों की मुक्ति तथा मामलों को उठा लेने के लिये दबाव दिया जा रहा है। जेनरल मैनेजर की ओर से यथाशीघ्र इस व्यवस्था को लागू करने का आश्वासन मिला है। खबर मिली है कि इस आश्वासन के आधार पर विभिन्न स्तर में काम शुरू हो गया है एवं कई एक दिन में परिणाम भी दिखलाई पड़ेगा।

कुछ संख्यक रेल कर्मी भूलवश व भयग्रस्त होकर इस ऐतिहासिक हड़ताल में सामिल नहीं हुये। उनको विषय बना कर विभिन्न स्थानों में गोलमाल सृष्टि करने की प्रचेष्टा चल रही है। इस ओर हमें सजग रहना होगा एवं शान्तिपूर्ण रूप से सभी समस्याओं का सामना कर अपनी सम्पूर्ण शक्ति को भविष्य में आन्दोलन के लिये मजबूत बनाना होगा।

निर्देशावली

१) बरखास्त कर्मी क्षमा-याचना करते हुये आवेदन-पत्र अथवा अपील न करें।

२) अस्थायी, कैजुअल व अन्य कर्मियों को नोटिस के बदले १४ दिन का वेतन देकर यदि छँटाई करना चाहें तो चिट्ठी या रूपया न लें।

३) हड़ताल में भाग लेने वाले रेलकर्मी कोई भी आवेदन-पत्र, सिक् सर्टीफिकेट अथवा अन्य कारण दिखलाने के जरिये अपने को हड़ताल विरोधी गण्य कराने की चेष्टा न करें।

४) यदि कहीं फाइनल सेटलमेन्ट होता हो तो बरखास्त कर्मी हस्ताक्षर न करें और न सेटलमेन्ट का रूपया ही लें।

५) बरखास्त कर्मी को रेल क्वार्टर से निकालने की चेष्टा करने पर प्रतिवाद करें और जहाँ तक हो सके प्रतिरोध पैदा करें। अविलम्ब ईष्टर्न रेलवेमेन्स यूनियन के साथ योगायोग स्थापित करें ताकि यथायोग्य व्यवस्था ग्रहण की जा सके।

६) अपने आप कोई विचार ठीक न करें। यूनियन की शाखा से योगायोग करें।

७) बरखास्त कर्मी अदालत में तत्काल न जाँय। निर्देश की प्रतिक्षा करें।

८) विभिन्न अदालतों में संग्रामी बन्धुओं के ऊपर विचाराधीन मामलों को सावधानी से चलाना होगा ताकि कोईभी अपराधी के रूप में दण्डित न हो।

९) बरखास्त एवं विचाराधीन कर्मियों के लिये अविलम्ब रेलकर्मी तथा आंचलिक सहानुभूतिशील जनसाधारण से यथासाध्य मदद लेकर यूनियन के संग्रामी कोष (Struggle Fund) को पर्याप्त बनायें।

इनकलाब—जिन्दाबाद : N.C.C.R.S.—जिन्दाबाद

AIRF/ERMU—जिन्दाबाद

ता० ४-६-७४ ईष्टर्न रेलवेमेन्स यूनियन

२३-२४ स्ट्राण्ड रोड, कलकत्ता-१

CHAS TETHERED TO A BUTCHER'S PEG

(COALFIELD GAZETTE NEWS SERVICE)

S :- Strange are ...ys of L.S.G. Depatt ... has now paradoxically ...hristened its name as ...ban Development Depa-rtment. The change of name is pleasantly sugges-tive but the facts belie this. The Depatt. does not appear to have any sense of urbanity, at least, of course, of development. ...e handling or mishand-... of the case of Chas, a ...n growing fast in dep-... haphazard way on ...irtline of Bokaro ...er ... ex-...le of the stinking ...al wave of the Urban ...pment Department ...ng satisfies all the ...ions of a town laid ...n under section 4 of ... Bihar and Orissa ...nicipal Act. Its popula...n is much more than ...thousands & the den-... of population is twen-... thousands a square ...le. Also more than three ... the popula-tion is engaged in pursuits other than agriculture. It deserves a fullfledged municipality with elected representatives of the peo-ple to manage its sanitary, health, water supply and lighting affairs. But the people have been denied to have their local gover-ing institution & instead it has been tagged to the Jharia Mines Board of Health, a local body creat-ed under the B & O Mini-ning Settlement Act to re-gulate the health, hygiene & habitation of the coal mine workers. Chas has no mines. There are no mine worker residing within its area Yet it has been tethered to the butcher's peg of the Mines Board whose record of service to the people under its care has been criminally unsatisfactory The flagrant defiance the provisions of laws by a Govt. Depatt framed by their own legislature has created an ablazing wrath in the people who are determined to get this injustic undone on oppor-tune moment. They are not in a mood to beGover-ned by the Board by re-mote control from Dhan-bad through a sanitary inspector posted at Chas. They feel that the Urban Development Depatt. has converted Chas into a colony of the Mines Board dictators whose sole job is to exploit them under various laws. They feel like a goat tethred to a butcher's peg bleating help-lessly in wait for slaughter.

The Coalfied Gazette made some probe into the factors which threw the helpless Chas in the jaws of the Mines Board and the fact which came to light is simply shameful, and condemnable. The matter whether Chas should be formed part of the Mines Board or should have a Municipa-lity or Notified Area Committee was carefully examined in detail by the district authorities from all point of views. They were of the definite view that Chas should have an urban local body under the Bihar & Orissa Municipal Act & according ly recommended to Govt. to constitute an N. A. C. there. A draft notification was also issued & after a lapse of six weeks there after the final notification was to be issued. This raised the ears of Mr. Imamul Hai Khan, the Chairman of Mines Board whose mishandling of the affains of the Board has reduced it to chill penury. He ran up to the officers nad then Minister-in-charge Dr. Ram Raj Pd. Singh who were eager to oblige him on account of Khan's imp-ortance in the politi-cal Chess Board. They threw all laws, regula-tions, decency, decorum & peoples aspiration... wind. Poor Chas was sold out to Mr Khan who got anther colony in his domain at no cost.

The Depatt. has now changed hands. It has fort-unately got a Minister whose intelligence, integri-ty and impartiality is a talk on every lips. People of Chas are eagerly look-ing to him to get the inju-stice undone.

MD. Yunus Azad & Sons
GANDHINAGAR DHANBAD
Dealers in iron scrap, broken glass, plastic waste paper and sellers and buyers of second hand colliery and other equipments.

Printed, Published and Edited by Pankaj Prasoon for the Coalfield Gazette, Mastorpara, Dhanbad at the Vishwana... Printing Press Hirapur, Dhanbad

JAMSHEDPUR NEWS

L. S. G. MINISTER CHIDES EXECUTIVE OFFICER OF JUGSALAI MUNICIPALITY FOR GOLMAL IN ROAD IMPROVEMENT

(From Our Own Correspondent)

JAMSHEDPUR — The rate payers of Jugsalai Municipality met the L.S.G. Minister Shri Ram Ashray Pd. Singh. on May 24 at the Jamshedpur Circuit House & complained to him regarding the manner of material used in the improvement of roads being done by the Executive Officer of the Jugsalai Municipality. The Minister called the Executive Officer and told him that he would not tolerate any golmal in the development work. He also threatened him that he would personally enquire into the complaints without any prior information. This unnerved the Executive Officer and the Contractor was later on seen doing some patch work again on the roadsh he was supposed to hav completed the work.

It may be recalled that the Jugsalai Municipality has for some time past undertaken patch work and carpeting of some of the roads of the Jugsalai town. The manner of doing the work & materials used in them were matter of severe criticism by the public & press. The local daily 'Naya Rasta' had termed it "Thook So Sarak Sudhar" The people called it plunder without danger. The Minister's assurance has given a sigh of relief to the ratepayers.

JAMSHEDPUR LAUNCHES MASSIVE SMALL POX ERADICATION PROGRAMME

(From our own correspondent)

Jamshedpur :

A massive operational programme for mass vaccination has been launched at Jamshedpur since 13th May by W. H. O. team of doctors led by Dr. P. B. Bharucha with the assistance of various companies here. Hundreds of volunteers have been enlisted with the co-operation of TISCO, TELCO, I.T.C. and other associated companies.

Mr J. G. Keswani, Director & General Manager of I. T. C. Ltd. has advised in a message to his employees that everybody who has not been vaccinated within the last three months, must be re-vaccinated. He has also hoped that all will maintain the healthy tradition of I. T. C, family by actively co-operating in this programme and fighting this dreadful disease on a real war footing.

Dhanbad Municipal Emplo[illegible] Betray State Federatio[illegible]

(COALFIELD GAZETTE NEWS SERVICE)

DHANBAD:- While the Bihar state Local Bodies Employees Federation have launched an indefinite strike since March 17 to press their demand for immediate implementation of the recommendations of the Local Bodies Employees Reforms committee a pointed by Govt. for reforms in the service conditions of the 30,000 employees working in District Boards, Municipalities and N. A. C'S, the employees of the Dhanbad Municipality have shamefully stayed away ftom it. They have betrayed the cause for which the Federation has been fighting, yet anxious to enjoy the fruits of those who are engaged in their life and death struggle. This is not the first time that the employees of the Dhanbad Municipality have behaved in such black sheep manner. They are rather habitually expert in ploughing there lonely furrow-deserting their fellow workers. The union is in the handls of an unscruplous demogague whose only business is to exploit the workers for his own selfish ends. He is an easy tool in the hands of an Influential Municipal Commissioner who uses his apparatus to calm down his adversaries whenever he likes. In the past the workers were several times instigated to go on strike & even indulge in unsocial behavior on the pretext of getttng some filmsy demands con[illegible] which of course todate [illegible] remained unfulfilled. workers by and large are fe[illegible] ing ashamed at the strange behaviour of their leaders. A well meaning employee of the municipality remarked in disgust that the Dhanbad Municipal Workers Union dances to the tune of his masters in the Municipal board & so long a signal does not come from them, there could be no strike. When q[illegible] tioned by the Coalfield Gaz[illegible] as to when that signal w[illegible] come, the employee advi[illegible] wait for a quarrel betw[illegible] elected executives of t[illegible] & the Executi[illegible] Municipality of the day [illegible] the ruling clique was re[illegible] to a hopeless minority.

Whatever, it may be [illegible] people of Dhanbad are feel[illegible] a sigh of relief that the no[illegible] too satisfactory servicees re[illegible]ved by the Municipal employ[illegible] have not been made worse [illegible] they gone on strike.

STEP IN

FOR

NICEST DISHES

CHOICEST DRINKS

POPULAR

HOTEL

BAR & RESTAURANT

Near Purana Bazar Water [illegible]ower,

DHANBAD

GOVT. SHOULD IMMEDIATELY TAKE OVER.........

(page--One) ...ys of ... N. T. ... has ... to be ... hris ... the people ...ho are naturally curious ... know the details of it ...r their own interest.

This Hospital was established in 1961 by Lakshmi Narain Trust of Sri Harishankar Worah, Sri Jaswant worah others on piece of land donated by Seth Waliram Taneja. Bhagdih, Muraldih and East Kumarduby Collieries etc. of this Trust are said to have been financing this Hospital, School and a College. This Hospital was having average monthaly earning of about Rs. 32000 (approximatly) through admission fees, treatment etc., and some amount of donation was being paid by the Managing Trust at times to meet the expenditures. This Hospital renders Maternity treatment (outdoor and indoor) with 46 beds and 11 cabins,, eye (outdoor), Dental (outdoor)

THE CHART BELOW WILL GIVE A CLEAR PICTURE OF ITS FINANCIAL POSITION AS IT STOOD IN 1970:-

...onth	Income		Donation		Total		Expenditure	
...uary, 70	Rs. 34. 999.	15	Rs. Nill		Rs. 34, 999.	15	Rs. 29, 489.	59
...bruary, ,,	Rs. 24,527.	50	Rs. 5000.	00	Rs. 29, 527.	50	Rs. 45. 846.	41
...rch, ,,	Rs. 36, 780.	05	Rs. 5000.	00	Rs. 41, 780.	50	Rs 39, 219	45
...pril, ,,	Rs. 24, 346.	15	Rs. 5000.	00	Rs. 29. 346	15	Rs. 35, 743	87
May, ,,	Rs. 30, 128	15	Rs. 15.000.	00	Rs. 45, 128.	15	Rs. 36245.	69
June, ,,	Rs, 27, 261.	55	Rs. 10. 000.	00	Rs. 37, 261.	55	Rs. 43, 624.	82
July, ,,	Rs. 34, 879.	75	Rs. 5, 000.	00	Rs. 39, 879.	75	Rs.35, 208.	01
August, ,,	Rs. 30, 477.	50	Nil		Rs. 30, 477.	50	Rs. 31, 671.	10
September, ,,	Rs. 31, 341.	10	Rs. 5, 000.	00	Rs. 36, 341.	10	Rs. 35, 360.	04
...ber, ,,	Rs. 35, 410	70	Nil		Rs. 35, 410.	70	Rs. 38, 882.	44
...ber, ,,	Rs. 32, 637.	06	Rs. 13, 000.	00	Rs. 32, 637.	06	Rs. 35, 532.	65
...ber, ,,	Rs. 36, 678.	35			Rs. 46, 678.	35	Rs. 50, 855.	35

...above, it would ... an amount of ...nly was paid ...stee in 1970. ... like Lakshmi ... given various ... by the Govern... ...ing its proper... ...me the actual ...xpenditure of ... is a matter for ...n the public in...

...TION WORSENED ...R NATIONALISATION OF COLLIERIES.

With the nationalisation of the Collierie, the Trustee for the obvious reasons wanted to close the Hospital on the plea of financial ...is. There was a strong ... that it would be con... to an aircondition ...or a Nursing Home.

It is an admited fact that this Hospital had acquired popularity and good standard. This was possible by the sincere and devoted services of the Staff who had been unfortunatly denied living wage what to speak of fair wage, were no Pay-Scales for the staff Only a consolidated pay was given to them at the sweet will of the Trustees who were omnipotent, Regardless to any labour laws. There is no security of service to the staff even now. The long standing just demands of the staff for their pay scales at par with State Government Hospitals and Dearness allowance according to price index, service security etc., have all along been ignored. All the staff are, however, the members of the Coal Mines Provident Fund since 1966. Hence with the nationlisasion of the Collieries, the Coal Mines Authority should have absorbed the Staff as per the statement of the then Steel and Mines Minister Late Sri Kumar Managalam. But this has not yet been done. All the staff were the members of the Colliery Mazdoor sangh and under the leadership of Lala B. P Sinha, they started agitation for their just minimum damands particularly for taking over of this Hospital by B C.C.L., and the strike notice was served. The management got the golden opportunity and declared 'Lockout." This Union Leader finding the situation advers went away leaving the poor staff to their fate.

Despite great miseries, the staff continued their agitation which attracted public sympathy and support of other militant trade unions viz. CITU, District Co-ordination Committe of Employees' and Workers' Associations. Ultimately, the Management was compelled to lift the "Lock-out" and an agreement was made between the Management, representatives of the staff & the so called Citizen Committee on the following main terms which are, however, still in cold storage.

CONTD.

SEE MORE ON NEXT ISSUE

EDT.

SAD PIIGHT OF DEMOCRACY IN INDIA

UNION OfiCIE DEMOLISHED

(Coalfield Gazette News Service)

On 27th May'74 All India Radio announced the news of withdrawal of 20 days' long strike by NCCRS with great relief to the people and appreciation by the Hon'ble President of India. Prime Minister. assuring to develop the congenial relation with the Railway employees without any biased views whatsoever and Railway Minister's assurance to sit for negotiation, on the other hand, the local Railway Authority/Dhanbad on the same day demolished completely the office (under lock and key) of Divisional Railway Employees' Co-ordination Committee at Old Station, Dhanbad where the Divisional Office of National Co-Ordination Committee of Railwaymen's struggle Dhanbad Division was officially functioning and took away all the properties in the office worth Rs 8,000/- approximately as reported The telegrams were immediately sent to Hon'ble Prime Minister, Railway Minister etc by Sri K. C. Roychoudhury, Jt convenor NCCRS for immediate action.

An old dilapidated out house of the Asstt. Medical officer (Loco) Dhanbad, after reconstruction by the Divisional Railway Employees' Co-Ordination Committee on consid rable expenses, was being used as its office. This Co-Ordination Committee is the duly elected body of all Categorical Associations Councils of Railwaymen registered under Trade Union Acts.

The humanitarian services by the Co-Ordination Committee in the form of donations of thousnds of rupees to Indian Red Cross Society for Suffering humanity of Bangladesh, to Chief Minister, Bihar Drought Relief Fund, to Defence Minister's Jawan Flag Day Fund, are very significant. The then Railway Minister appreciated the services by the Co-ordination Committee during the National Emergence for war against Pakistan. This union brought about a 'New Trend' in Trade union movement by holding intensive movements against the wide sprea corruption. This "New Trend" in Trade Union movemen with growing popularity, fight by them agaist the gross injustice and high-handedness by the officers and particularly the disclosure of the loot and plunder of railway money was a menace to the corrupt officers who were, therefore, trying their utmost all the time to crush this movement and this committe. But they could not in face of the popular support and appreciation by the Ministers. As a result of their movement hundreds of questions were raised in the Parliament and ultimately almost all officers of Dhanbad have been implicated in C. B. I. and vigilance cases.

The Divisional Office of N. C. C. R. S. Dhanbad Division was officially functioning from this Co-Ordination office. The biased Bureaucrats took advantage of Railway strik and fulfilled their long desire by demolishing the office completely with irreparable loss to this committee and the railwaymen at large. Is ... of lawless ... a naked att... cratic org... democracy ... it not the anti-peo... misdeeds to crush democratic forces fight against corruption, menace to the progress social order ? The peop... hope and urge is t... Hon'ble President ... Prime Minister will ... pleased to satisfy the q... tions and anxities of ... people and take appro... ate action so that reg... to the law and democr... value is maintained.

FILM OF THE WEEK - BADLA

This is 8th successive flop picture of SHATRU as a hero. Story writer and director VIJAY seems to have gone with past and recent dramas of the crime film with action usually found in stunt films. Now a days there is a vogue of guest appearances in every. "FORMULA FILM". Therefore there are also maximum number of guest artistes in this film but prove worthless. The thematic film also becomes unwholesome as revenge and its fulfilment turnout to be the goal achived The villain does not get caught by the police but falls over a cliff in a fight with the hero

Diologue is good only in some comic portions Neither the sory nor the music in good. Background is noisy and borrowed JAMES BOND films. ... other technical depart... are also more or less r... and ready jobs wit... much finery.

SHATRU hero of ... film played his role ... his usual dare devis... Thus he once again b... es failure to impress cin... as a hero. Mousmi ... nothing her except ... nnives a new hair styl... every scene. AJIT is ... gettings typed. Jo... wolker & Mehmood c... some good fun. FA... KHANNA and ALKA ... good. The lone list ... guest artistes prove ... misnomer since they ... to have included for ... office collection.

RATING--POOR (A...

DEMOCRACY OR POLICE RAJ?

(FROM OUR CITY CORRESPONDENT)

IDIH :- Is gradually learnt through before the Rail Strike started from 8th May with the arrest of union leaders and active workers, attachment of the properties of the absconding leaders wanted under D. I. R. or M I S A, posting of B.S.F. camps in Rail colonies, the playing of B. .C,L. vans with [illegible]rmed forces in Rail colonies around the clock, the raiding of Rail quarters by the police with Rail officers to compel the strikers to come to join duty, black appointments — all th[illegible] speak of the stern attitude of the Govt. to cr[illegible]h the all India strike of Railmen on basic demands viz wage parity with other Govt. undertakings, eight hours duty, Bonus, supply of essential commodities at reduced rates etc.

On 12.5.74 at about 4 A. M. the police officers raided the Staff Nurse quarters of Srimati Maya Goswami, senior nurse, S. S. L. N. T. Hospital, Dhanbad, and made search in her quarter where she has been living with her grown up daughter and a little son. To her protest against this action without the permission of Chief Medical Officer even, the officers told that they can search the quarter of C.M.O. Dr. Hazara if they like, while going awary the Police Officer asked Srimati Goswami whether she had any relation with District co-ordination Committee. Later on it was learnt that the real was in search of some Railstrikers!

The Police authority on mere suspicious for Rail Strikers do such drastic, and illegal acts is surely a matter of serious concern of the democratic minded people, who naturally think whether we are living in a democratic state or in police Raj!

Citizens Committee deplored the raid of Nurse quarters where the females are living within the protected area of Hospital Compound. Mr. S K. Baksi, the secretary Kamgar Union in a statement sincerely criticised the action as undemocratic attempt to creat panic among the civil population of the town. District co-ordination committee of central & state Govt employees has also expressed grave consern vore the matter.

SHOP KEEPER DETAINED ILLEGALLY

Another case of police terrorism has been reported to us. One Nanda Gopal, a Poor tea-stallkeeper of Purana Bazar, Dhanbad was arrested by the police on 27 th May '74 and was kept in police Custody till evening. It has been learnt that afew young men were quarrelling near his stall for some reasons best known to them. This poor man did not pay his attention towards the incident and the young men indulged in were not known to him. It is surprised that police came to him for enquiry and asked the names of the persons involved in the incident. Poor stall keeper could not satisfy the police authority as he did not know the names of the persons. As a result the Zamindari temperament of the police authority grew firery and the poor fellow was wrongfully detained for the entire day. Only in the evening he could able to draw mercy of the heartless police officeers and somehow managed to be free from the thana.

People of the market area have expressed great resentment over the issue but they are found helpless at this state of affire. When the minimum democratic norms and forms are denied by the police it is meaningless to cry for it.

FOR
COLD-CHILLED BEER
DELICIOUS CONTINENTAL
INDIAN AND CHINESE DISHES
PREPARED BY EXPERT COOKS
STEP INTO THE FULLY AIRCONDITIONED
AMBER
A SINGULAR LUXURIOUS BAR AND
RESTAURANT
OF
DHANBAD

ENJOY BEST PUNJABI DISHES
DELICIOUS DRINKS
&
Other rarest varieties
at
PUNJAB HOTEL
BAR & RESTAURANT
Naya Bazar (Dhanbad)
We undertake supply on order to the satisfaction of our patrons

RAZOR'S EDGE

BY ONLOOKER

Our country is running through crises. Crises of all kinds ! Everything has become, or is fast becoming scarce !! The paucity of only one thing for which we can't blame our government is the liquid fuel i. e. petrol, diesel oil etc. Because these are for the most part the imported stuffs. Our top ranking leaders think that fuel oil is misused at the grass root level. So they appealed to the masses (and not to the elite classes !) to curtail the use of fuel oil to the minimum. And to enforce this discipline they (who have vested interests in this affair !) enhanced the price of oil and subsequently the fares of buses, taxis and tempos to the limit of breaking the back bone of the masses. Now a poor and sick fellow walksmiles to get to the hospital. A clerk trudges in the scorching sun to reach his office. A small business man carries his wares to the market-

Now, have a look on any main road of our coalfield locality. No dearth of vehicles is visible Day by day it is on the increase ! Buses, Taxis and other vehicles of public use are increasing in arithmetical progression (If they incarease at all !), but private cars and governmental vehicles are multiplying in geometrical progression !! Parking lots outside the cinema halls are packed to the capacity,

STRANGE! BUT REAL!!

Once the Onlooker was passing through a cenema hall. Exact'y at that moment an ambulance whizzed past him and stopped at the gate of the hall. He was alarmed. 'There might be some serious case inside the cinema hall or some where nearby!" he whispered. He was unnerved at the very thought of something like that. Visibly there was no casuality around ! And thank God, there was none !! The gate of the ambulance opened, one, two, three . . six, beleive him, complete six young girls — all paragons of beauty ! — got down, then a lady in her midforties and an olderly fellow (possibly the Doctor Saheb and father of these six girls) got down. The all entered into the portal of the hall. The ambulance drove away.

A MORE SYMPATHETIC FOREIGNER

"Often the foreigners are more sympathetic to us than we to ourselves," said the young doctor of the municipality. The fellow (a fresh from the medical college) is deputed in the Dhanbad municipal area to take preventive measures against the spreading of small pox. He explained to the Onlooker the prevailing state of affairs When he was assigned the job the assisting staff was in adequate. When he complained about it to the authorities concerned, he was given staff from the family planning department (Now the Onlooker shuddered at the thought of the family planning departmen becoming ill-staffed). When the work became impossible due to excesssive hot weather, he asked for at least a jeep. He was denied by the high ups ! All the vehicles for this purpose were being used by the influential medical officers for their personal and family purposes. And at long last a Russian observer of World Health Organisation managed a jeep for him from Dhanbad District Board. He resumed his work with renewed zeal. So this is the story of Dhanbad town. ! God alone is the protector of the rural population !!

THE WAY WE PAY TRIBUTES !

A storm was raised inside the bus A passenger was quarelling with the conductor. The bus was going from Dhanbad to Jharia. It stopped at Katras More. The passenger (A new cormer to this locality) was to get down at Shastri nagar. He was thinking that the conductor will call out the name of his destination. When he knew that he was nearing Jharia and a [illegible] told him that [illegible] velled a di[illegible] times more [illegible] con[illegible] required, he [illegible] and got enraged at the conductor. The conductor cried back at him, "I have called out Dhobatand !" "But I was to get down at Shastrinagar !! " mumbled the fellow. " Both names indicate the same place," came the explanation in chorus from the fellow pessengers. A lot of laughter followed. At that very monent a bus arrived from opposite side. They stopped it for the embarrased gentleman. And he rushed to it forgetting everything else. [illegible]

TAIL PIECE

'Love at the first sight and divorce at the next" is the order of the day. A lover went to a je[illegible] to order him for a diamond studded ring for his finance. He told the jeweller to engrave on the ring the words, 'For my Sweet heart Rosy'

The jeweller suggested, "I think only 'For my sweet heart' will do, because we are not going to give you the prepared ring before the next week."

Please Visit

ANJANA

BAR AND RESTAURANT

BARWA (DHANBAD)

"I' NEWS COC'KTAIL

...S STABBED ...DEATH

(...S ...azetto News ...ys ...vice)

...I D I H :- It has been learnt through the police sources that two persons were stabbed to death in the afternoon of May 22nd near the railway ...ter signal.

...It has also been gathered that both the deceased named Dwarika Mandal and Puran Mandal hailed from the village Margo... under Gandey P. S. They had gone to Giridih Court and were coming back in the evening. When ...ere approaching ...llage as is allged, Dhaneshwar Mandal of the same village attacked them with sharp knife and finally put them to death. It is said that the accused Dhaneshwar Mandal has taken revenge of the murder of his father who was allegeally murdered by the deceased persons

GOONDA ELEMENTS PUNISHED

(Coalfield Gazette News Service)

K A T R A S :- About a month back goonda elements of Katras village raided the house of Ashok Kumar Ganguli and kidnapped a woman from his house who happened to be the wife of his friend and took her to the nearby forest and raped her. The helpless woman narrated the tale of her tragedy to the villagers. The villagers reported the matter to the police but the anti-social elements threatened the lady to meet dire consequences as a result she deported the village.

It has been alleged that about two months back two young girls of the village committed suicide af er they were abducted and raped by the goondas

One of the goondas on being caught was punisned by the villagers. His two associates are still absconding.

NUCLEARE TEST HAILED

(Coalfield Gazette News Service)

G I R I D I H:-Addressing a ma ımoth public meeting at Jhanda Maidan Jan Sangh President Mr. L. K. Advani congratulated the Indian scientists for their successful test of nuclear device. He gave a call to the people of Bihar to assmble at Patna on June 5 to hold a massive demonstration to press the popular demand of dissolving the assembly only to get rid of the present corrupt administration.

LETTER TO THE EDITOR

Sir,

Though Dhanbad being an important town of the country has been declared as B 2 city it appears that this upgradation of the town has left no impact on the civic authorities. It is very painful to see roads without nameplates. This causes a lot inconvenience to newcomers and what to talk of new-comers, to the residents even. For example, I am residing at N. N. Sarkar Road, but since there is no nameplate indicating its 'being', very few persons know that the road exists with such name. Similar is the case with other roads also.

Most surprising is the fact that there are some roads and lanes which bear no name at all.

The condition of most of the roads and lanes are very bad, which require immediate repair and reconstruction. May I draw the attention of Municipal authorities through the Coalfield Gazette to look into the matter and do the needful at once.

Yours etc.

Dhanbad. H. Sarkar

JOHAL & CO.
DHANBAD
All kinds of foreign liquor are available with us.

FOR PURE MILK
DELICIOUS TEA
RAREST COFFEE
and Softy
ALWAYS VISIT
SHREE GANESH TEA STALL
NEAR DHANBAD RLY. STATION.

The Choice of Coalfield
GayLord
BAR AND RESTAURANT
DHANBD

ALL INDIA RAILWAY
Date 6/1
NEW DEL

THE
THE COALFIELD GAZETT

(An independent, impartial and impregnable weekly)

VOL. 1 NO. 17 DHANBAD, SUNDAY, JUNE 2 1974 This issue 25 Paise

GOVT. SHOULD IMMEDIATELY TAKE OVER ::

LAKSHMI NARAIN TRUST MATERNITY HOSPITAL ON THE VERGE OF COLLAPSE

(FROM OUR SPECIAL CORRESPONDENT)

Dhanbad : a cosmopolitan town with its rapid expansion as the centre of coal belts, industries and trades, is fast growing in population. From the poorest class to the multi-millioniers to the homeless beggars, big and small are living in paceful Co existence. Leaving aside the various social and economic problems, it is most unfortunnte that the health and medical services which are of paramount importance for human beings, are most neglected and far below the minimum requirement of the people. The pollutions, the curse of malnutrition of the poor and lower middle class families, the hazardous life in congestions insanitation have naturally made many a people the victims of fatal diseases.

EXISTING MEDICAL FA[CIL]ILITIES:-

As usual Dhanbad, b... district head qaurter... ...der Hospital...

desire for cure to survice. But others who can afford to spend can have, ofcourse, the proper attention and care. There is a common knowledge that most of the doctors are badly engaged in private cases and signing the re imbursement bills of the Govt., and other employees. So the common people have got to reconcile to their fate.

Divisional Railway Hospit... meant for Rail workers alth... appears to be ...tter, is p...tial from compl...s of and law treatment ...he h...and the visiting ...oyees. There ...or free treatment poor ...ay ward, still many is ... can afford, go for in treatment, mainly in ...N.T. Hospital. A notice ...d indicating the scheduled ...siting fees of the Medical Officers is displayed but the practice...

COALFIELD GAZETTE STORMS PARLIAMENT

(From our city correspondent)

DHAN[BA]D : It has been [le]arnt that upon a relia[ble] in regarding "Sale [of A]merican Dollars" pub[li]shed in the Coalfield Gazette of March 24, 1974, Mr. Sita Ram Singh M.P. has put the following starred questions in the Parliament —

(a) Whether Govt's attention has been drawn to news item published in the Coa'field Gazette of the 24th March 1974 to the effect that American dollars are sold in India by a Govt official of the ...torate General of Mines Safety, Dhanbad.

(b) If so, whether Govt have arranged any enquiry into the whole affairs an[d] if so, the result thereof ?

(c) What action Govt have taken against the Defaulting Officer ?

(The Coalfield Gazette is coming up soon with the complete inside story of Dollar Selling Racket i[n] Dhanbad with documents evidences and ... proofs — Ed... could not...

or a Nursing Home.

all along been ignored. All

This Union Leader finding